Read
२१|५|२१

3 सबक

पाठ से पूर्व

- पाठ के शीर्षक से आपको क्या पता चलता है?
- क्या आपको कभी अपनी किसी गलती पर दुख या पश्चाताप हुआ है?
- क्या आपने कभी किसी बेईमान को सबक सिखाया है?

पाठ का परिचय

प्रस्तुत पाठ मुल्ला नसरुद्दीन की एक हास्य-व्यंग्यपूर्ण घटना है। मुल्ला नसरुद्दीन अत्या करने वालों को अपनी चतुराई से सबक सिखाते थे। इस पाठ में उनके द्वारा एक बेई व्यक्ति को उसकी बेईमानी के लिए सबक सिखाने की घटना का वर्णन किया गया है।

मुल्ला नसरुद्दीन तुर्क का एक बुद्धिमान **दार्शनिक** था। वह सूदखोरों, ज़बरदस्ती कर वसू वालों और दुष्ट दरबारियों का कट्टर विरोधी था।

मुल्ला नसरुद्दीन के पड़ोस में एक **निहायत** ही बेईमान व्यक्ति रहता था। वह सदा दूसरों वस्तुएँ **हड़पने** की कोशिश करता रहता था। पूरा मोहल्ला उसकी इस आदत से परेशान थ

एक दिन मुल्ला नसरुद्दीन शाम को रसोई में कुछ बना रहा था, तभी अचानक मु नसरुद्दीन के मन में उस बेईमान व्यक्ति को सबक सिखाने का विचार आया। वह उसके गया और बोला, "भाई, एक रात के लिए अपना भगोना मुझे दे दो। मेरी बीबी **मायके** गई है और मुझे घर में चावल पकाने के लिए कोई बरतन नहीं मिल रहा है।"

बेईमान पड़ोसी ने मुल्ला को अपना भगोना दे दिया।

दूसरे दिन मुल्ला उस पड़ोसी का भगोना और उसके साथ एक छोटा भगोना लेकर उसके पहुँचा। छोटा भगोना देखकर पड़ोसी बोला, "यह छोटा भगोना किसका है?"

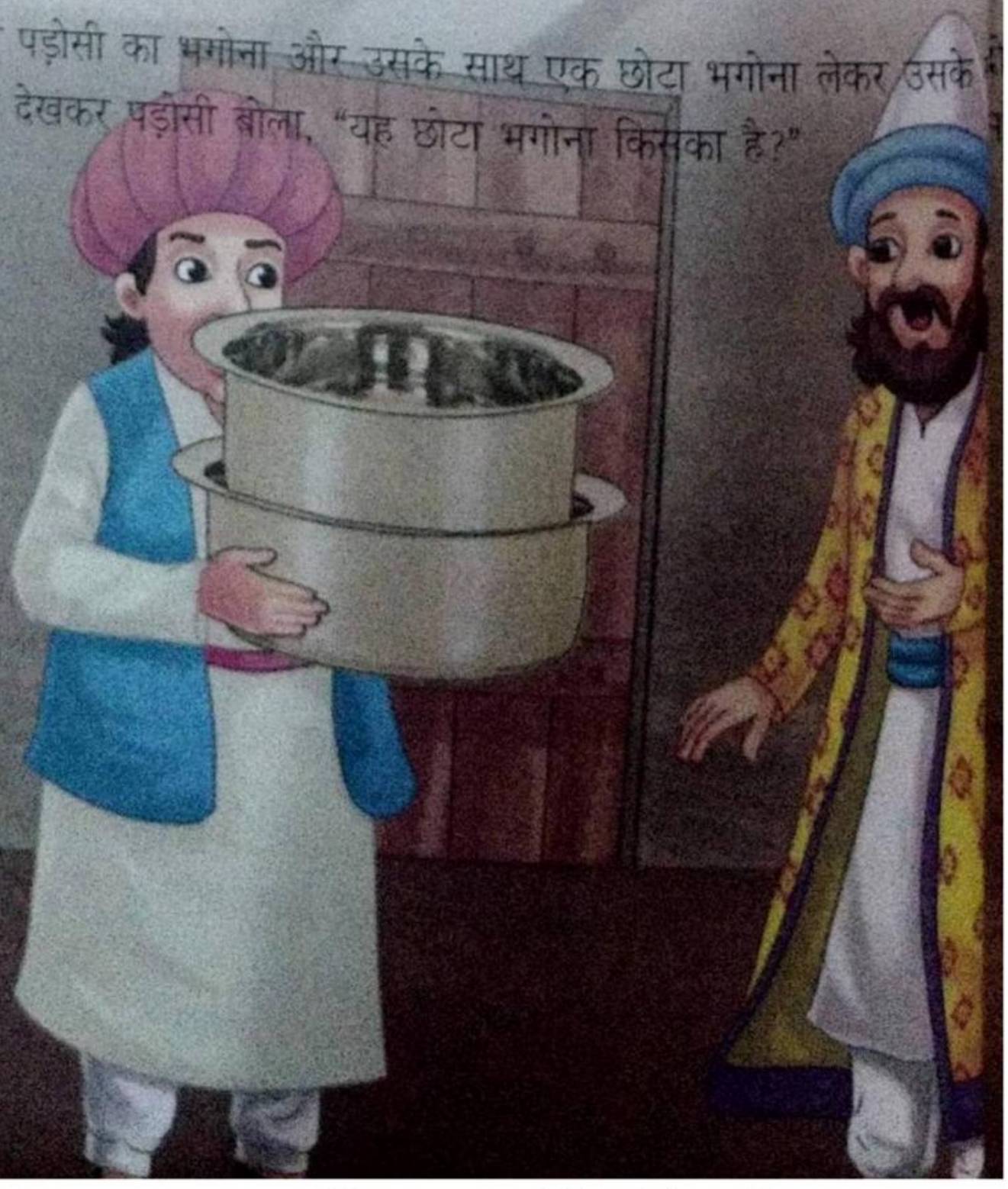

Scanned by TapScanner
Scanned by TapScanner

मुल्ला बोला, "पता नहीं... सुबह जब मैं जागा तो यह तुम्हारे भगोने के निकट रखा हुआ मिला। लगता है, तुम्हारे भगोने ने रात में इसे जन्म दिया है।"

बेईमान पड़ोसी यह सुनकर खुश हो गया और बोला, "हाँ, हाँ तुम बिलकुल सही कह रहे हो... यह इसी का बच्चा है", और इतना कहकर उसने दोनों भगोने रख लिए।

कुछ दिनों पश्चात मुल्ला फिर उसी पड़ोसी के घर पहुँचा और सुबह भगोना वापस करने को कहकर पहले वाले बरतन से भी बड़ा बरतन माँग लाया। पड़ोसी ने भी प्रसन्नतापूर्वक दे दिया।

इस बार एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी मुल्ला बरतन वापस करने नहीं गया।

आखिर एक दिन बेईमान पड़ोसी मुल्ला के घर पहुँचा। पड़ोसी ने मुल्ला से पूछा, "मुल्ला! मेरा बरतन कहाँ है? तुमने उसे मुझे वापस क्यों नहीं किया?"

मुल्ला ने उसके प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, "अरे मियाँ शायद आपको खबर नहीं... वह तो जिस रात मैं आपके घर से लाया था, उसी रात मर गया।"

पड़ोसी बोला, "क्या **बकवास** कर रहे हो? बरतन भी कहीं मरते हैं क्या?"

मुल्ला ने कहा, "क्यों भाई? जब बरतन जन्म दे सकते हैं तो मर क्यों नहीं सकते?"

दोनों ही घटनाएँ पूरे मोहल्ले के सामने घटित हुई थीं, इसलिए बेईमान पड़ोसी कुछ न कह सका और मन-ही-मन **कुढ़ता** हुआ अपने घर चला गया।

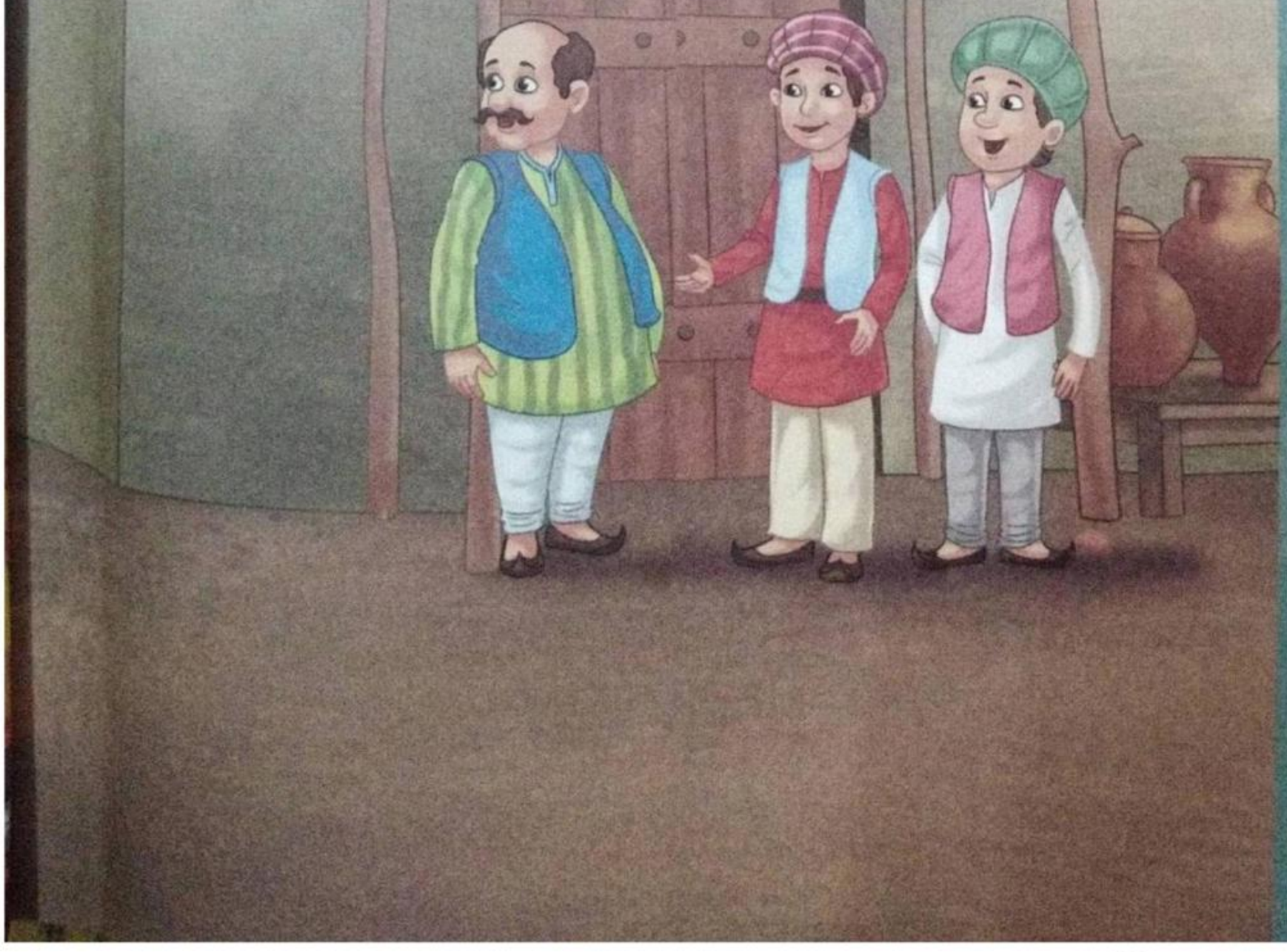

इन्हें भी जानें

दार्शनिक–दर्शन के विषय में जानने वाला
निहायत–बहुत अधिक
हड़पना–हथियाना, अधिकार करना
मायके–पत्नी के माता-पिता का घर
बकवास–बेकार की बात
कुढ़ता–खीझता, दुखी होता

नोट: विद्यार्थी पाठ द्वारा सीखे नवीन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें।

Scanned by TapScanner

Scanned by TapScanner

अभ्यास

पाठ से

Class - VII
29|5|21

पाठ-3 सबक   पुस्तक-कार्य + पृ०/30 29|5|21

मौखिक (Oral)

1. पूरा मोहल्ला किस बात से परेशान था? 1. बेईमान पड़ोसी की दूसरों की वस्तुएं हड़पने की आदत से
2. मुल्ला नसरुद्दीन की बीबी कहाँ गई थी? 2. मायके
3. मुल्ला नसरुद्दीन को क्या बनाना था? 3. चावल
4. मुल्ला नसरुद्दीन ने बेईमान पड़ोसी को क्या वापस किया? 4. भगोने के साथ एक छोटा भगोना

पढ़कर बताइए (Read and answer)

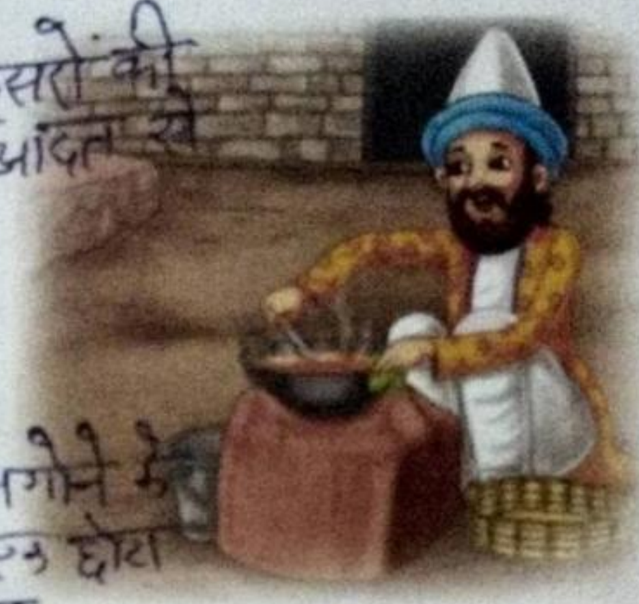

1. मुल्ला नसरुद्दीन ने बेईमान पड़ोसी से कितनी बार क्या-क्या लिया?
2. **किसने-किससे कहा?**
   (क) "भाई, एक रात के लिए अपना भगोना मुझे दे दो।" मुल्ला ने पड़ोसी से कहा।
   (ख) "यह छोटा भगोना किसका है?" पड़ोसी ने मुल्ला से कहा।
   (ग) "यह इसी का बच्चा है।" मुल्ला ने पड़ोसी से कहा।
   (घ) "तुमने उसे मुझे वापस क्यों नहीं किया?" पड़ोसी ने मुल्ला से कहा।
   (ङ) "जब बरतन जन्म दे सकते हैं, तो मर क्यों नहीं सकते?" मुल्ला ने पड़ोसी से कहा।

लिखित (Written)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short answer questions)

1. मुल्ला नसरुद्दीन का पड़ोसी कैसा था?
2. मुल्ला नसरुद्दीन पड़ोसी के घर क्यों गया था?
3. बेईमान पड़ोसी मुल्ला की किस बात से खुश हो गया?
4. बेईमान पड़ोसी ने मुल्ला के घर जाकर क्या किया?
5. मुल्ला ने दूसरी बार बरतन वापस न करने का क्या कारण बताया?
6. बेईमान पड़ोसी मुल्ला की बात का जवाब क्यों न दे सका?

Scanned by TapScanner
Scanned by TapScanner

2. मुल्ला नसरुद्दीन के इस किस्से को एक नाटक के रूप में लिखिए।

भाषा से

श्रुतलेख– नसरुद्दीन, बुद्धिमान, दार्शनिक, मियाँ, घटनाएँ, मोहल्ला, कुढ़ना।

1. दिए गए संयुक्ताक्षरों तथा द्वित्व व्यंजनों के दो-दो शब्द लिखिए–

ल्ला	–	मुल्ला	बल्ला	गुल्लक
न्न	–	प्रसन्न	अन्न	विभिन्न
स्त	–	ज़बरदस्ती	पुस्तक	आस्तिक
क्त	–	व्यक्ति	वक्त	रक्त

2. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) बेईमान × ईमानदार
(ख) बुद्धिमान × मूर्ख
(ग) अपना × पराया
(घ) खुश × उदास
(ङ) सामने × पीछे
(च) जनम × मरना

3. दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

(क) परेशान	–	व्याकुल	व्यथित	व्यग्र
(ख) कोशिश	–	यत्न	प्रयास	प्रयत्न
(ग) सबक	–	सीख	शिक्षा	संदेश
(घ) खुश	–	प्रसन्न	हर्षित	आनंदित

व्याकुल, यत्न, प्रसन्न, हर्षित, प्रयास, सीख, व्यथित, शिक्षा, प्रयत्न, व्यग्र, आनंदित, संदेश

Scanned by TapScanner
Scanned by TapScanner

4. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें **सर्वनाम** कहते हैं। जैसे– मैं, हम, तुम, वह, उसका, यह, ये, इन्होंने आदि।

दिए गए वाक्यों में उचित सर्वनाम शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) ----वह---- एक बुद्धिमान दार्शनिक था। (वह/वे)

(ख) उसकी---- इस आदत से सब परेशान थे। (उसके/उसकी)

(ग) मुझे---- चावल पकाने के लिए बरतन चाहिए। (मुझे/मैं)

(घ) ---यह---- छोटा भगोना किसका है? (यहाँ/यह)

(ङ) तुम्हारे---- भगोने ने रात में इसे जन्म दिया है। (तुमने/तुम्हारे)

5. जो शब्द किसी काम के होने या करने का बोध करवाते हैं, उन्हें **क्रिया** कहते हैं। जैसे– होना, चलना, लिखना, भगाना, बहना, बनाना आदि।

नीचे दिए वाक्यों में क्रिया शब्द रेखांकित कीजिए–

(क) मुझे बरतन नहीं मिल रहा है।

(ख) मुल्ला की बीबी मायके गई हुई थी।

(ग) बेईमान पड़ोसी खुश हो गया।

(घ) पड़ोसी ने दोनों भगोने रख लिए।

(ङ) पड़ोसी कुढ़ता हुआ अपने घर चला गया।

Scanned by TapScanner

Scanned by TapScanner

Class - VII

29/4/21

हिन्दी पाठ - 3 सबक

लघु उत्तरीय प्रश्न

उ०:-1 मुल्ला नसरुद्दीन का पड़ोसी बहुत अधिक बेईमान व्यक्ति था। वह हमेशा दूसरों की वस्तुएँ हड़पने की कोशिश करता था।

उ०:-2 मुल्ला नसरुद्दीन को चावल बनाने थे। इसके लिए वह भगोना माँगने पड़ोसी के घर गया था।

उ०:-3 मुल्ला नसरुद्दीन ने जब पड़ोसी को यह बताया कि उसके भगोने ने एक भगोने को जन्म दिया है, तो यह सुनकर पड़ोसी बहुत खुश हुआ।

उ०:-4 बेईमान पड़ोसी ने मुल्ला के घर जाकर पूछा कि, मुल्ला! मेरा बरतन कहाँ है? तुमने मुझे वह वापस क्यों नहीं किया?

उ०:-5. मुल्ला ने दूसरी बार बरतन न वापस करने का कारण बताते हुए कहा कि उसका बरतन उसी रात मर गया था।

उ०:-6 दोनों ही घटनाएँ पूरे मोहल्ले के सामने हुई थीं, इसलिए बेईमान पड़ोसी मुल्ला की बात का जवाब न दे सका।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उ०:-1 मुल्ला अपने बेईमान पड़ोसी को सबक सिखाना चाहता था क्योंकि वह बेईमानी से दूसरों की वस्तुएँ हड़पने की कोशिश करता रहता था। सभी पड़ोसी उसकी इस आदत से बहुत परेशान थे।

Scanned by TapScanner

Scanned by TapScanner

Q. मुल्ला अपने पड़ोसी को उसकी बेईमानी के लिए सबक सिखाना चाहता था इसलिए उसने अपने पड़ोसी को उसके भगोने के साथ एक छोटा भगोना देते हुए कहा कि रात को पड़ोसी के भगोने ने इस छोटे भगोने को जन्म दिया था।

Ans. जब बेईमान पड़ोसी मुल्ला के घर अपना बरतन वापस लेने आया तो मुल्ला ने उससे कहा कि शायद आपको पता नहीं कि जिस रात मैं आपके घर से भगोना लाया था, उसी रात वह भगोना मर गया था।

Q.5. एक दिन मुल्ला नसरुद्दीन चावल पकाने के लिए एक भगोना अपने बेईमान पड़ोसी से लाया और दूसरे दिन उसके भगोने के साथ एक छोटा भगोना लौटाकर आया और बताया कि उसके भगोने ने इसे जन्म दिया है। कुछ समय बाद वह पड़ोसी से बड़ा बरतन लाया और उसे सप्ताह भर बाद भी लौटाने नहीं गया। तब पड़ोसी उससे अपना बरतन माँगने आया तो मुल्ला ने उसे बताया कि जिस रात वह बरतन लाया था उसी रात वह बरतन मर गया था। पड़ोसी ने कहा कि बरतन भी मरते हैं क्या? इस पर मुल्ला ने कहा कि जब बरतन जन्म ले सकते हैं तो मर क्यों नहीं सकते। बेईमान पड़ोसी के पास कोई जवाब नहीं था इस प्रकार मुल्ला ने उसे सबक सिखाया।

Q.6 मुल्ला नसरुद्दीन किसी भी समस्या को दूर करने के लिए तार्किक व सरल हल ढूंढ लेते थे। बेईमान पड़ोसी को सबक सिखाने के लिए उन्होंने जो तरीका अपनाया वह सन्मुच उनकी बुद्धिमानी का एक अच्छा उदाहरण था। इस प्रकार मुल्ला नसरुद्दीन एक बुद्धिमान दार्शनिक थे।

— o —

Scanned by TapScanner

Scanned by TapScanner